Q. लोकतंत्र की सफलता के प्रमुख कारकों की विवेचना करें।

Ans:- लोकतंत्र वर्तमान युग की सबसे अधिक प्रचलित और प्रसिद्ध शासन पद्धति है। मानव सभ्यता के प्राचीन युग से लेकर अब तक राजतंत्र, अधिनायकतंत्र, कुलीन तंत्र, साम्यवादी शासन आदि अनेक प्रकार की शासन पद्धतियाँ अपनाई ~~जाती~~ गई है; लेकिन इन सबो मे प्रजातंत्र सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। इसकी लोकप्रियता का अन्दाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्वंय को लोकतंत्रवादी या Democrat कहना एक फैशन बन गया है।

लोकतंत्र अंग्रेजी शब्द Democracy का हिन्दी रूपान्तर है जो दो ग्रीक शब्दो Demos और Kratia से मिलकर बना है। जिसका शाब्दिक अर्थ है- जनता और शासन करने की शक्ति। इस रूप मे लोकतंत्र शासन का वह रूप है जिसमे शासन करने की शक्ति जनता मे निहित होती है। लोकतंत्र को परिभाषित करते हुए ब्राईस ने कहा है- "लोकतंत्र शासन का वह प्रकार है। जिसमे राज्य के शासन की शक्ति किसी विशेष कोशा वर्गों मे निहित न होकर सम्पूर्ण जन समुदाय मे निहित है।" जबकि सीले महोदय के अनुसार "लोकतंत्र वह शासन है जिसमे प्रत्येक व्यक्ति का एक भाग हो।" लेकिन लोकतंत्र की सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं स्पष्ट परिभाषा अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन द्वारा दी गई है :- "लोकतंत्र शासन का वह रूप है जिसमे जनता का जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन हो।"

लोकतंत्र न केवल शासन का एक रूप है बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक प्रकार और जीवन का एक विशेष दृष्टिकोण

Scanned with CamScanner

भी है। यह ऐसा शासन है जिसकी सफलता या असफलता जनता की मनोवृत्तियों और कार्य व्यवहार पर निर्भर करती है। लोकतंत्र का उद्देश्य एक ऐसे वातावरण के निर्माण से है जिसमे प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व का विकास करने का अवसर प्राप्त हो सके तथा प्रत्येक व्यक्ति अपनी बुद्धि का उपयोग सार्वजनिक हित मे कर सके। लोकतंत्र की सफलता के लिए निम्न लिखित परिस्थितियों का होना जरूरी माना जाता है -

(1) नागरिकों का नैतिक उत्थान - लोकतंत्र नागरिकों की चरित्रशीलता और नैतिकता पर आधारित होता है। यदि नागरिक लोभ या लालच के वशीभूत होकर चुनाव मे अपने मत का प्रयोग करेंगे और जन प्रतिनिधि भ्रष्ट होते हैं तो लोकतंत्र सफल नही हो सकता।

(2) शिक्षित एवं जागरूक जनता - शिक्षित एवं सजग जनता लोकतंत्रीय शासन की प्रमुख आवश्यकता है। कहा जाता है कि सतत जागरूकता ही लोकतंत्र का मूल है। इस शासन की सफलता के लिए जनता मे इतनी बुद्धि अवश्य होनी चाहिए कि वह देश की जरूरतो को समझ सके, प्रतिनिधियों का चुनाव कर सके और अपने अधिकार और कर्तव्य को समझ सके।

(3) आर्थिक समानता - प्रजातंत्र की सफलता के लिए आर्थिक समानता एक अनिवार्य शर्त है। Hobson ने कहा है कि - धनिकों का धन और निर्धनों की निर्धनता प्रजातंत्र को भ्रष्ट कर देती है। हालांकि पूर्ण आर्थिक समानता असंभव है। यहाँ आर्थिक समानता का तात्पर्य इस बात से लिया जाता है कि धन सम्बन्धी असमानता कम से कम हो तथा सभी व्यक्तियों के पास अपनी न्यूनतम आवश्यकताएँ पूरी करने का सामर्थ्य हो।

Scanned with CamScanner